Contents

: अनुक्रमणिका :

पृ.सं.

प्रथम अध्याय : विषय-प्रवेश : - **1-52**

प्रास्ताविकी - प्राचीन कथा तथा आधुनिक कहानी के व्यावर्तक लक्षण - दलित शब्द की उपयुक्तता - कहानी की परिभाषा - उपन्यास और कहानी का अन्तर - कहानी की विकासयात्रा - प्रेमचंदपूर्व कहानी - प्रेमचंदोत्तर कहानी- - स्वातंत्र्योत्तर कहानी - नई कहानी तथा समकालीन कहानी के अभिलक्षण - हिन्दी कहानी में प्रेमचंद का योगदान - हिन्दी कहानी में शैलेश मटियानी का योगदान - निष्कर्ष - संदर्भानुक्रम।

द्वितीय अध्याय : दलित विमर्श : कुछ आयाम : - **58-115**

प्रास्ताविकी - दलित जीवन से तात्पर्य - दलितों के विभिन्न वर्ग - अछूत वर्ग - शिल्पकार वर्ग - जरायमपेशा वर्ग - आदिम जनजातियाँ - अश्पृश्य जातियों पर थोपी गई निर्योग्यताएँ - धार्मिक निर्योग्यता - सामाजिक निर्योग्यता - आर्थिक निर्योग्यता - राजनीतिक निर्योग्यता - दलित विमर्श के संदर्भ में नवजागरण की भूमिका - स्वामी विवेकानंद, गोपालराव हरि देशमुख, महात्मा ज्योतबा फुले, आगरकर, लोकमान्य तिलक, अन्ना साहब कर्वे, श्रीमंत महाराजा सयाजीराव गायकवाड, महात्मा गांधी, राजर्षि साहू महाराज, डॉ. बाबा साहब आम्बेडकर, कर्मवीर भाउराव पाटील आदि महानुभावों का दलितों के उत्थान में योगदान - स्वातंत्र्योत्तर काल में इस दिशा में किये गये वैधानिक प्रयत्न - निष्कर्ष - संदर्भानुक्रम।

तृतीय अध्याय : दलित जीवन पर आधारित प्रेमचंद की कहानियाँ : - 116-205

प्रास्ताविकी - आधुनिक हिन्दी साहित्य के दो प्रमुख विमर्श - नारी विमर्श - दलित विमर्श - दलित जीवन पर आधारित प्रेमचंद की कहानियाँ - ठाकुर का कुआँ - पूस की रात - घासवाली - गुल्ली - डंडा - दूध का दाम - शूद्रा - बाबा जी का भोग - सौभाग्य के कोडे - सद्गति - सवासेर गेहूँ - आगा पीछा - सभ्यता का रहस्य - सती - मंदिर - मंत्र - लांछन - लोकमत का सन्मान - बौडम - देवी - जुर्माना - मेरी पहली रचना - कफ़न - निष्कर्ष - संदर्भानुक्रम।

चतुर्थ अध्याय : प्रेमचंद की कहानियों में दलित जीवन की समस्याएँ : - 206-262

प्रास्ताविकी - अस्पृश्यता की समस्या-मंदिर प्रवेश की समस्या- आर्थिक समस्या- आर्थिक शोषण की समस्या - धार्मिक दृष्टया शोषण की समस्या -अत्याचार और अन्याय की समस्या- मानव अस्मिता की समस्या- यौन शोषण की समस्या - बेगार की समस्या- शैक्षिक समस्या- अंधविश्वासों से उत्पन्न समस्याएँ- मनोवैज्ञानिक समस्याएँ- धर्मान्तरण की समस्या- अमानवीयता की समस्या- गंदकी की समस्या- निष्कर्ष - संदर्भानुक्रम ।

पंचम अध्याय : दलित-जीवन पर आधारित शैलेश मटियानी की कहानियाँ : - 263-346

प्रास्ताविकी - सतजुगिया आदमी - घुघुतिया त्यौहार - नंगा - लीक - एक कॉप चा : दो खारी बिस्कीट - चिथड़े - गरीबुल्ला - दैट माय फादर बालजी - पत्थर - फर्क, बस इतना है - विट्ठल - चील -

प्यास - इब्बूमलंग - मिट्टी - मैमूद - भय - रहमतुल्ला - दो दुःखों का एक सुख - गोपुली गफुरन - प्रेतमुक्ति - महाभोज - तथा अन्य कहानियाँ - निष्कर्ष - संदर्भानुक्रम।

षष्ठ अध्याय : शैलेश मटियानी की कहानियों में दलित जीवन का चित्रण : - 347-392

प्रास्ताविकी - दलित-जीवन का नया आयाम - भिखारियों और कोढ़ियों का संसार- नगरीय वेश्याएँ- गुण्डा, बदमाशों-जेबकतरों - जुआरियों -दादाओं- पुरूष-वेश्याएँ - अनाथ बच्चों का संसार- दलितों में उभरती चेतना - दलितों में भय और आतंक - जीवटवाली जुझारू नारियाँ - उच्च मानवीय मूल्य - गहराते अंधकार में प्रकाश की किरणें - अमानवीयता की प्रवृत्ति - अंधविश्वास और ढोंगी साधु-पीर-मलंग - भयंकर गरीबी-भुखमरी -धर्म-परिवर्तन की समस्याएँ - निष्कर्ष - संदर्भानुक्रम।

सप्तम अध्याय : उपसंहार : - 397-404

समग्रावलोकन - प्रबंधगत निष्कर्ष - शोधप्रबंध की उपादेयता - उपलब्धियाँ - भविष्यत संभावनाएँ।

परिशिष्ट एवं सन्दर्भ-ग्रन्थ-सूची : - 405-414